समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

अयोध्या दीपोत्सव 2025: सरयू तट पर होगा थीमेटिक प्रोजेक्शन मैपिंग और लेजर शो, परंपरा-तकनीक का अनोखा संगम

Publisher

Published on 01 Oct 2025

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या एक बार फिर भव्य **दीपोत्सव** की तैयारियों में रंगी हुई है। 2025 के दीपोत्सव को खास बनाने के लिए प्रशासन और आयोजक मंडल ने नई-नई योजनाएँ तैयार की हैं। इस बार सरयू तट पर दर्शकों को परंपरा और आधुनिकता का ऐसा अनोखा संगम देखने को मिलेगा, जो पहले कभी नहीं हुआ। **थीमेटिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो और लेजर शो** इस दीपोत्सव की सबसे बड़ी आकर्षण होगा।

दीपोत्सव का महत्व

दीपोत्सव अयोध्या की पहचान बन चुका है। यह आयोजन सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं बल्कि सांस्कृतिक गौरव का भी उत्सव है। परंपरा के अनुसार, भगवान श्रीराम के **14 वर्षों के वनवास** पूरा करने के बाद अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने पूरे नगर को दीपों से सजाया था। तभी से दीपावली और दीपोत्सव का आयोजन आस्था और उल्लास का प्रतीक माना जाता है।

इस बार का खास आकर्षण : थीमेटिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो

2025 के दीपोत्सव में सरयू तट पर **थीमेटिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो** आयोजित होगा। इसमें उन्नत तकनीक का उपयोग कर भगवान राम की जीवनगाथा, अयोध्या की परंपरा और भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा।

- विशाल LED स्क्रीन और 3D प्रोजेक्शन के माध्यम से रामायण के प्रसंग जीवंत किए जाएंगे।
- रोशनी और ध्वनि का संयोजन इसे और आकर्षक बनाएगा।
- दर्शकों को ऐसा अनुभव होगा मानो वे स्वयं उस युग में मौजूद हों।

लेजर शो का जादू

इसके साथ ही **लेजर शो** भी आयोजित किया जाएगा। इसमें रंग-बिरंगी किरणें आकाश को रोशन करेंगी। पानी की सतह पर पड़ती रोशनी और संगीत का संयोजन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। यह शो इस बात का प्रतीक होगा कि किस तरह आधुनिक तकनीक से परंपराओं को और भी भव्य तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है।

परंपरा और तकनीक का संगम

दीपोत्सव का यह आयोजन सिर्फ धार्मिक या सांस्कृतिक दृष्टि से नहीं बल्कि तकनीकी दृष्टिकोण से भी अनूठा होगा। अयोध्या प्रशासन ने इस बार यह तय किया है कि तकनीक का उपयोग कर परंपरा को और भी आधुनिक और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया जाए।

- परंपरागत दीप जलाने की परंपरा जारी रहेगी।
- सरयू तट पर लाखों दीप जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने की भी तैयारी है।
- इसके साथ तकनीक आधारित कार्यक्रम आयोजन को आधुनिक स्पर्श देंगे।

प्रशासन की तैयारी

अयोध्या प्रशासन ने दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए विस्तृत योजना बनाई है।

- सुरक्षा के लिए ड्रोन निगरानी और CCTV कैमरे लगाए जाएंगे।
- पूरे शहर को विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा।
- श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए विशेष परिवहन और व्यवस्था की जाएगी।
- विदेशी पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए बहुभाषी सूचना केंद्र भी स्थापित होंगे।

पर्यटन को बढ़ावा

दीपोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह अयोध्या के लिए **पर्यटन का बड़ा केंद्र** भी बन चुका है। हर साल लाखों की संख्या में देश-विदेश से लोग दीपोत्सव देखने अयोध्या पहुँचते हैं। इस बार प्रोजेक्शन मैपिंग शो और लेजर शो से पर्यटकों की संख्या और भी बढ़ने की संभावना है। होटल, परिवहन और स्थानीय कारोबारियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान

दीपोत्सव का महत्व धार्मिक दृष्टि से जितना बड़ा है, उतना ही सांस्कृतिक रूप से भी है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति और रामायण की महत्ता को पूरी दुनिया में प्रचारित करता है। इस बार तकनीक के सहारे इसे और भी भव्य स्वरूप मिलेगा, जिससे नई पीढ़ी को परंपरा से जोड़ना आसान होगा।

स्थानीय लोगों का उत्साह

अयोध्या के लोग दीपोत्सव को अपना व्यक्तिगत उत्सव मानते हैं। बाजारों में रौनक, मिठाइयों की खुशबू और घर-घर में सजावट का दौर शुरू हो गया है। लोग मानते हैं कि हर साल दीपोत्सव का विस्तार होता जा रहा है और इससे उनकी धार्मिक आस्था और भी मजबूत होती है।

अयोध्या का दीपोत्सव 2025 सिर्फ दीप जलाने का पर्व नहीं बल्कि तकनीक और परंपरा का अद्वितीय संगम होगा। सरयू तट पर होने वाला थीमेटिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो और लेजर शो इस आयोजन को ऐतिहासिक बना देगा। यह आयोजन न केवल आस्था और संस्कृति का प्रतीक होगा बल्कि अयोध्या को विश्व पर्यटन मानचित्र पर और भी मजबूत स्थान दिलाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.